

दोषज्ञ पुं. (तत्.) दोषों को जानने-समझने व समाधान कर सकने वाला, विवेक-बुद्धि वाला।

दोषण पुं. (तत्.) दोष लगाने की क्रियायाभाव, दूषण।

दोषत्रय पुं. (तत्.) तीन दोषों का समूह आयु. वात, पित्त और कफ दर्श. काम, क्रोध और लोभ।

दोषत्व पुं. (तत्.) दोष होने का भाव।

दोषदर्शी वि. (तत्.) दोष देखने वाला, (केवल) दोष निकालने वाला भी. किसी संयंत्र या कार्य में दोष बताने या दिखलाने वाला उपकरण या युक्ति।

दोषदृष्टि स्त्री. (तत्.) केवल दोष निकालने वाली नजर, दोष देखने का भाव, कमी या ऐब ढूँढने वाला दृष्टिकोण।

दोषदृष्टिता स्त्री. (तत्.) दोष दृष्टि होने की स्थिति या भाव।

दोषपूर्ण वि. (तत्.) दोष से युक्त, दूषित, त्रुटिपूर्ण, गलत, खराब।

दोषभाक्/दोषभाजन वि. (तत्.) 1. जिसे किसी दोष के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए 2. दोषपात्र 3. दोषी।

दोषमय वि. (तत्.) दोषपूर्ण, दोष से भरा हुआ, दोषयुक्त, दूषित।

दोषमार्जन पुं. (तत्.) दोष दूर करना, दोष या त्रुटि का समाधान कंप्यू. कंप्यूटर के बाधक या नाशक विकार को हटाना।

दोषमुक्ति स्त्री. (तत्.) किसी दोष से छूट जाना (बरी हो जाना) विधि. सभी तर्कों को सुनने के बाद न्यायालय की ओर से अभियुक्त के दोषी न सिद्ध होने की औपचारिक घोषणा या निर्णय विलो. दोषसिद्ध।

दोषल वि. (तत्.) दोषयुक्त, दूषित।

दोषसिद्ध वि. (तत्.) दे. सिद्ध दोष।

दोषसिद्धि स्त्री. (तत्.) विधि. आरोप सिद्ध होने की न्यायालय द्वारा औपचारिक घोषणा या निर्णय।

दोषा स्त्री. (तत्.) 1. अँधेरी रात 2. निशा 2. दोष से युक्त काल, प्रदोष काल, संध्याकाल।

दोषारोपण पुं. (तत्.) 1. किसी व्यक्ति पर दोष लगाना 2. किसी वस्तु, व्यवहार, विधि, सोच आदि में दोष बताना 3. विधि. अभियोग लगाना, अभ्यारोपण।

दोषिता स्त्री. (तत्.) दोषी होने की स्थिति या भाव विलो. निर्दोषिता।

दोषी पुं. (तत्.) 1. जिसने कोई दोषपूर्ण या आपराधिक कृत्य किया हो, अपराधी, अभियुक्त 2. जिस पर दोष करने का आरोप हो 3. दोषयुक्त 4. दूषित 5. सिद्ध दोष अपराधी विलो. निर्दोष।

दोसाला वि. (तद्+फा.) 1. दो वर्ष में एक बार होने वाला, द्विवार्षिक 2. दो वर्ष का 3. दो वर्ष पुराना।

दोस्त पुं. (फा.) 1. मित्र, सखा, सहपाठी 2. प्रेमी, प्रेमिका 3. हितैषी, भला चाहने वाला स्त्री. 1. सखी, सहेली 2. प्रेमी।

दोस्तदारी स्त्री. (फा.) दोस्ती निभाने का भाव, दोस्ती।

दोस्तनवाज वि. (फा.) दोस्तों पर नवाज अर्थात् मेहरबान, दोस्तों का दोस्त, दोस्ती निभाने वाला।

दोस्ताना पुं. (फा.) मित्रता, दोस्ती, मैत्री वि. मैत्रीपूर्ण, मित्रता वाला, दोस्त जैसा।

दोस्ती स्त्री. (फा.) मित्रता, सख्य, मैत्री।

दोहक वि. (तत्.) 1. दुहने वाला 2. जो उपलब्ध संसाधनों का पूरा-पूरा लाभ उठाता हो, समुपयोजन कर्ता 3. शोषण करने वाला, स्वार्थपूर्ति के लिए दूसरों का दोहन या उपयोग करने वाला 4. वह (उद्योग) जो अपने लाभ के लिए अन्य सह-उद्योगों के उत्पादों, विधियों आदि का उपयोग कर लेता हो।

दोहता पुं. (तद्.) दे. दोहित्र।

दोहत्यङ्ग पुं. (तद्.) दोनों हाथों को मिलाकर प्रायः उंगलियाँ फँसाकर किया जाने वाला आघात या प्रहार।